हरिहराष्टोत्तरशतनामाविलः

ॐ गोविन्दाय नमः ॐ माधवाय नमः

ॐ मुकुन्दाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ ईशाय नमः

ॐ शशिशेखराय नमः

ॐ शूलपाणये नमः 80

ॐ दामोदराय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ अन्धकरिपवे नमः

ॐ हराय नमः

ॐ नीलकण्ठाय नमः

ॐ वैकुण्ठाय नमः

ॐ कैटभरिपवे नमः

ॐ कमठाय नमः

ॐ अज्जपाणये नमः

ॐ भूतेशाय नमः

ॐ खण्डपरशवे नमः

ॐ मुडाय नमः

ॐ चण्डिकेशाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ नृसिंहाय नमः

ॐ मधुसूदनाय नमः

ॐ चक्रपाणये नमः

ॐ गौरीपतये नमः ॐ गिरिशाय नमः

ॐ शङ्कराय नमः

ॐ चन्द्रचूडाय नमः

ॐ नारायणाय नमः

| ॐ असुरनिबर्हणाय नमः | | ॐ शान्ताय नमः | |
|---------------------|----|------------------------|----|
| ॐ शार्ङ्गपाणये नमः | | ॐ पिनाकपाणये नमः | |
| ॐ मृत्युञ्जयाय नमः | | ॐ आनन्दकन्दाय नमः | |
| ॐ उग्राय नमः | | ॐ धरणीधराय नमः | |
| ॐ विषमेक्षणाय नमः | 80 | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ कामशंत्रवे नमः | | ॐ सर्वेश्वराय नमः | ξο |
| ॐ श्रीकान्ताय नमः | | ॐ त्रिपुरसूदनाय नमः | |
| ॐ पीतवसनाय नमः | | ॐ देवदेवाय नमः | |
| ॐ अम्बुदनीलाय नमः | | ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः | |
| ॐ शौरये नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | |
| ॐ ईशानाय नमः | | ॐ शङ्खपाणये नमः | |
| ॐ कृत्तिवसनाय नमः | | ॐ त्र्यक्षाय नमः | |
| ॐ त्रिदशैकनाथाय नमः | | ॐ उरगाभरणाय नमः | |
| ॐ लक्ष्मीपतये नमः | | ॐ बालमृगाङ्कमौलिने नमः | |
| ॐ मधुरिपवे नमः | ५० | ॐ श्रीरामाय नमः | |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | | ॐ राघवाय नमः | ७० |
| ॐ आद्याय नमः | | ॐ रमेश्वराय नमः | |
| ॐ श्रीकण्ठाय नमः | | ॐ रावणारये नमः | |
| ॐ दिग्वसनाय नमः | | ॐ भूतेशाय नमः | |
| • | | ॐ मन्मथरिपवे नमः | |

ॐ प्रमथाधिनाथाय नमः

ॐ चाणूरमर्दनाय नमः

ॐ हृषीकपतये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शूलिने नमः

ॐ गिरीशाय नमः ८०

ॐ रजनीशकलावतंसाय नमः

ॐ कंसप्रणाशनाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ केशिनाशाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ त्रिनेत्राय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ भूतपतये नमः

ॐ पुरारये नमः

ॐ गोपीपतये नमः

ॐ यदुपतये नमः

ॐ वसुदेवसूनवे नमः

ॐ कर्पूरगौराय नमः

🕉 वृषभध्वजाय नमः

ॐ भालनेत्राय नमः

ॐ गोवर्धनोद्धरणाय नमः

ॐ धर्मधुरीणाय नमः

ॐ गोपाय नमः

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः १००

ॐ पिनाकधराय नमः

ॐ स्मरारये नमः

ॐ कृष्णाय नमः

ॐ अनिरुद्धाय नमः

ॐ कमलाकराय नमः

ॐ कल्मषारये नमः

ॐ विश्वेश्वराय नमः

ॐ त्रिपथगार्द्रजटाकलापायै नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे काशीखण्डपूर्वार्धे यमप्रोक्तं श्री हरिहराष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥ This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Harihara_Ashtottara_Shatanamavali. This PDF

was downloaded from http://stotrasamhita.github.io/

Facebook: http://facebook.com/StotraSamhita

GitHub: http://stotrasamhita.github.io/ | http://github.com/stotrasamhita

Credits: http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita:About